1. On the way to shrines at least two or three inns may be constructed which would cater for providing drinking water, tea, etc. as well as some food items.

2. Well-maintained tourists lodge may be constructed near the temple which would also provide necessary food items and blankets, etc., to devotees.

3. The temple should be maintained properly undertaking necessary repairs, etc.

4. Necessary police arrangements may be made to avoid any law and order problem on the way and around the shrines. y†

(iii) NON-AVAILABILITY OF KEROSENE OIL IN GORAKHPUR AND OTHER DISTRICTS IN EAST UTTAR PRADESH

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, गोरखपुर तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में मिट्टी के तेल के भीषण अभाव के कारण जनता त्रस्त हो गयी है । गत कई महीनों से अधिसंख्य लोगों को मिट्टी का तेल नहीं मिल पा रहा है जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में जनता के सामने घोर संकट उत्पन्न हो गया है । सरकार की लापरवाही, लोगों की कठिनाई को दिन-प्रति-दिन बढ़ा रही है । वितरण व्यवस्था के दूषित होने के कारण भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है, फलस्वरूप जनता अभाव की चक्की में पिस रही है । ऐसी परिस्थिति में मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि लोगों को मिट्टी का तेल उपलब्ध कराने के लिए शीघ्र कारगर एवं ठोस कदम उठाये जायें तथा वितरण व्यस्वथा में व्याप्त भ्रष्टाचार को मिटाने के लिये कठोर कार्यवाही की जाये ताकि जनता को सरलता से मिट्टी का तेल उपलब्ध हो सके ।

(iv) TRANSLATION IN VARIOUS LANGUAGES OF THE GREAT WORKS OF THE POET SHRI SUBRAMANIAM BHARATI.

श्री बी० डी० सिंह (फुलपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, इस प्रयास की नितान्त आवश्यकता है, जिसके द्वारा देश की विभिन्न भाषाओं में जो श्रेष्ठ रचनायें हैं, उनका अन्य भाषाओं में अनुवाद हो और यह प्रयास सरकार की ओर से होना चाहिये । इतना ही नहीं, विश्व की महान रचनाओं, जो मानव मूल्यों एवं नैतिक चेतनाओं के आधार हैं, का देश की विभिन्न भाषाओं में अनुवाद होना चाहिये । मुंशी प्रेम चन्द की रचनायें रूस जैसे देश में बड़े चाव से पढ़ी जाती हैं । देश की अनेक श्रेष्ठ रचनाओं का विश्व की तमाम भाषाओं में अनुवाद किया गया है और लोग उनसे लाभान्वित हो रहे हैं ।

श्री सुब्रह्मण्यम भारती, देश के एक महान कवि, देशभक्त एवं समाज सुधारक रहे हैं । वे 39 वर्ष की अल्पायु में ही 1921 में स्वर्गवासी हो गये थे । गत 11 दिसम्बर से उनका जन्म शताब्दी समारोह मनाया जा रहा है । श्री भारती का तमिल साहित्य में अग्रणी स्थान रहा है । उनका साहित्य, ज्ञान एवं अनुभूति के भंडार से समृद्ध है । उसमें जीवन-दर्शन और देशभक्ति की ज्वाला है । दो दशकों तक उनकी लेखनी देश के प्रति एक भावना, राष्ट्रीय परिस्थितियों जाति विहीनता, गरीबी उन्मूलन, श्रम के प्रति आदर आदि विषयों पर निरन्तर चलती रही, दक्षिण भारत में वे महिला मुक्ति के प्रथम प्रवर्त्तकों में से थे । वे ऊंच-नीच के विचारों को तिलांजलि दे चुके थे । वे यथार्थवादी थे । वे आस्तिक होते हुए परम्परावादी एवं संकीर्ण विचारों से ऊपर उठे हुए थे । उन्होंने अपनी कविताओं में गुरू गोविन्द सिंह, महात्मा गांधी, लाला लाजपत राय

[श्री बी० डी० सिंह]

शिवाजी आदि अनेक महापुरूषों का यशोगान भी किया । उन्होंने देश को एक सूत्र में बांधने का प्रयास किया । वे राष्ट्रीय एकता के प्रतीक थे ।

खेद का विषय है कि उनकी श्रेष्ठ रचनाओं का अनुवाद अन्य भाषाओं में उपलब्ध न होने के कारण अन्य भाषाओं के पाठक, श्री भारतीय की भावनाओं से लाभान्वित नहीं हो पा रहे हैं । मैं माननीय शिक्षा मंत्री जी का ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए उनसे आग्रह अनुरोध करूंगा कि श्री भारती के जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर उनकी श्रेष्ठ रचनाओं का देश की प्रमुख भाषाओं में अनुवाद कराये जाने की व्यवस्था सरकार की ओर से की जाये तथा शताब्दी समारोह देश के विभिन्न क्षेत्रों में संयोजित किये जायें, जिससे विभिन्न क्षेत्र के लोगों को एक दूसरे के सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों को समझने एवं अनुकरणीय तत्वों को अपनाने का सुअवसर प्राप्त हो । यह राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने का एक उपयुक्त एवं सफल प्रयास होगा ।

(v) CONSTRUCTION OF PROPOSED AERO DROME OF CALICUT.

SHRI E. K. IMBICHIBAVA: (Calicut): The citizens of the city of Calicut Kerala, were on a token Satyagraha on 23rd February, 1982. They were agitating against the undue delay for starting the construction work of a long-cherished dream of the people of Malabar region of Kerala. They started knocking all the doors to fulfil their dream since 1952. The constant efforts of last 30 years were fruitless and they now believe and started thinking of starting a long agitation for getting their demand fulfilled. I take this opportunity to draw the attention of Government about this serious situation.

The idea for an airport at the historic city and trade and industrial capital of Kerala was approved as early as 1952. During the last 30 years, innumerable representations were submitted to various authorities. Nobody has raised any doubt about the feasibility of the aerodrome at Calicut. The traffic potentialities of the aerodrome have increased considerably. Since the final survey was made 90 per cent of the passengers from abroad including the Gulf countries to Kerala via Bombay and Trivandrum are to this region. An air connection is a great necessary for the all-round development of this region.

Land acquisition has been completed and it was handed over to the Aerodrome Officer, Mangalore, as early as 1971. Excellent approach roads were constructed by the State Government. The issue was raised in both Houses of Parliament several times and assurances were given that the work would commence immediately. Members of Parliament from Kerala submitted a memorandum on 7th July, 1980, to the Civil Aviation Minister and on that occasion also the Minister assured us that the work would commence soon The action Committee formed by the citizens of Calicut submitted another representation to the Prime Minister on 10-11-1980 at Trichur during her Kerala tour and in response to this, the Director of Civil Aviation informed them that the work would commence in 1980 itself. During the last Session of Parliament, the hon. Minister for Civil Aviation told me in response to a question that the proposal had been submitted to the Public Investment Board for approval and the work would start after the proposal was sanctioned. In a public meeting during her visit to Calicut last year, the Prime Minister had assured that the work would commence immediately. But the work has not started even now. It is a pity that the Government is waiting unusually for a long time for getting the sanction of Public Investment Board and